समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किले बंढ़ीं, ईडी ने हथियार कारोबारी मामले मे दंर्ज की चार्जशीट

Publisher

Published on 20 Nov 2025

प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इस बार उन्हें एक और कानूनी झटका लगा है, जब प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने ब्रिटेन के हथियार व्यापारी संजय भंडारी से जुड़े मामले में उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। यह मामला रॉबर्ट वाड्रा के लिए मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में दूसरा बड़ा आरोप पत्र है। इससे पहले जुलाई में ईडी ने हरियाणा के शिकोहपुर क्षेत्र में एक जमीन सौदे से संबंधित कथित गड़बड़ियों के मामले में भी उनके खिलाफ चार्जशीट दायर की थी।

सूत्रों के अनुसार, ईडी ने इस नए मामले में संजय भंडारी के लेन-देन और उनके नेटवर्क का गहन अध्ययन किया है। जांच एजेंसी ने पाया कि वाड्रा इस मामले में धन के लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल हो सकते हैं। चार्जशीट में वाड्रा के अलावा अन्य संदिग्धों का भी नाम शामिल है। इसके तहत विभिन्न वित्तीय लेन-देन, बैंकिंग विवरण और संपत्ति के दस्तावेजों का उल्लेख किया गया है।

विशेषज्ञों का मानना है कि हथियार व्यापार और विदेशी निवेश से जुड़े मामलों में किसी भी अवैध धन के प्रवाह की जांच को बहुत गंभीरता से लिया जाता है। ईडी ने अपने जांच के दौरान यह पाया कि कुछ लेन-देन की प्रकृति संदिग्ध थी और उसे मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में रखा गया। चार्जशीट में वाड्रा के कथित वित्तीय लेन-देन की पूरी जानकारी शामिल की गई है, जिससे उनकी भूमिका और भी स्पष्ट हो सके।

राजनीतिक गलियारों में इस मामले को लेकर कड़ी बहस शुरू हो गई है। विपक्ष और मीडिया के एक हिस्से का कहना है कि यह मामला वाड्रा की राजनीतिक पृष्ठभूमि से जुड़ा हुआ है, जबकि समर्थक दल का मानना है कि कानूनी प्रक्रिया स्वतन्त्र है और इसे निष्पक्ष रूप से देखा जाना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, चार्जशीट दाखिल होने के बाद कानूनी प्रक्रिया अब तेजी से आगे बढ़ सकती है, और वाड्रा को कोर्ट में अपनी सफाई प्रस्तुत करनी होगी।

इससे पहले जुलाई में वाड्रा पर हरियाणा के शिकोहपुर क्षेत्र में जमीन सौदे से जुड़े मामले में चार्जशीट दाखिल की गई थी। उस मामले में आरोप था कि वाड्रा ने कथित तौर पर जमीन के सौदे में गड़बड़ी कर मनी लॉन्ड्रिंग की। इस केस के बाद से ही वाड्रा लगातार जांच एजेंसियों के रडार पर थे। अब संजय भंडारी के मामले में नई चार्जशीट ने उनके कानूनी झंझट को और बढ़ा दिया है।

वाड्रा के वकील ने बयान में कहा कि यह आरोप केवल अनुमानों पर आधारित हैं और अदालत में सभी तथ्यों को सामने रखकर मामले का निष्पक्ष समाधान किया जाएगा। हालांकि, जांच एजेंसी का कहना है कि संजय भंडारी के साथ वित्तीय लेन-देन का अध्ययन और दस्तावेज़ी सबूत स्पष्ट रूप से वाड्रा की भूमिका को उजागर करता है।

वाड्रा और प्रियंका गांधी दोनों ही पहले भी कई बार कानूनी जांच और वित्तीय मामलों की जांच का सामना कर चुके हैं। रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ लगातार केस दर्ज होने से राजनीतिक और मीडिया दबाव भी बढ़ गया है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामला देश के बड़े राजनीतिक और वित्तीय घोटालों के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय बन सकता है।

यह देखना दिलचस्प होगा कि अदालत में वाड्रा इस चार्जशीट के खिलाफ कौन-कौन से कानूनी दलीलें पेश करते हैं। अब तक के सभी कानूनी और जांच के रिकॉर्ड से स्पष्ट है कि ईडी इस मामले में पूरी तरह गंभीर और सतर्क है। आगामी दिनों में इस मामले के कानूनी फैसलों और आगे की कार्रवाई पर पूरी तरह से नजर रखी जाएगी।

इस प्रकार, रॉबर्ट वाड्रा के लिए कानूनी संकट लगातार गहराता जा रहा है और उनकी राजनीतिक और व्यावसायिक गतिविधियों पर इसका असर भी पड़ेगा। देश के राजनीतिक और वित्तीय विश्लेषक इस मामले की जांच और अदालत की प्रक्रिया को बारीकी से देख रहे हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.